रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द स्मृति मन्दिर
खेतड़ी–333503 जिला झुन्झुनूं (राज.)
दूरभाष : (01593) 234312 215675
E-mail : rkmkhetri@gmail.com
Web site:www.rkmissionkhetri.org

# भक्त सम्मेलन

रामकृष्ण मिशन, खेतड़ी (राजस्थान) द्वारा आयोजित सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य :

1. भगवान श्रीरामकृष्ण, श्री माँ सारदा देवी एवं स्वामी विवेकानन्द के उपासकों एवं अनुरागियों में घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापन को प्रोत्साहन देना।
2. तीनों पवित्र विभूतियों के दर्शाये आदर्शानुसार भक्तों एवं अनुरागियों के जीवन गठन में सहायता करना एवं उनके संदेशों का समाज में प्रचार–प्रसार करना।

*दिनांक 06 मार्च, 2010, शनिवार (अपराह्न)*
*दिनांक 07 मार्च, 2010, रविवार (पूरे दिन)*
*स्थान – दरबार हॉल*
*रामकृष्ण मिशन, विवेकानन्द स्मृति मन्दिर, खेतड़ी–333503 (राजस्थान)*

राजस्थान के झुन्झुनूं जिले में अवस्थित खेतड़ी चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ, हरे भरे वृक्षों से शोभायमान एक मनोरम स्थान है। यहाँ के धर्मशील स्वर्गीय राजा अजीत सिंह को स्वामी विवेकानन्द जी महाराज के पुण्य सम्पर्क में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था एवं वे स्वामी जी के परम् प्रिय शिष्यों में से एक थे। उनके राजभवन में स्वामी जी द्वारा स्थापित रामकृष्ण संघ का यह शाखा केन्द्र स्थापित है। आश्रम भवन स्वामी जी के पावन निवास एवं पुण्य स्मृतियों से ओत–प्रोत एक ऐतिहासिक स्थान है। यहाँ पिछले लगभग 50 वर्षो से विविध सेवा कार्यों का संचालन किया जा रहा है।

स्वामीजी का खेतड़ी में 7 अगस्त 1891 को पहली बार शुभागमन हुआ तथा 27 अक्टूबर 1891 तक उन्होंने राजा साहब के साथ निवास किया था। स्वामीजी के साथ राजाजी की आध्यात्म, साहित्य, संगीत एवं विज्ञान विषयक घण्टों चर्चा हुआ करती। स्वामीजी के सत्संग से राजाजी की बहुमुखी प्रतिभा में और भी निखार आया। स्वामीजी ने भी सुयोग पाकर पाणिनी व्याकरण के पातंजल महाभाष्य का अध्ययन किया था। इसी यात्रा के दौरान नर्तकी के भजन वाली प्रसिद्ध घटना भी घटी थी।

21 अप्रैल, 1893 से 10 मई, 1893 के दौरान राजा अजीत सिंह के नवजात पुत्र को आशीर्वाद देने के लिए स्वामी जी दूसरी बार खेतड़ी पधारे एवं उन्होंने नवजात राजकुमार के जन्मोत्सव में भाग लिया। खेतड़ी से ही स्वामीजी अमेरिका की ऐतिहासिक विजय यात्रा के लिए 10 मई 1893 को रवाना हुए। उन्होंने 'विवेकानन्द' नाम भी राजाजी के प्रेमपूर्ण आग्रह पर खेतड़ी में ही धारण किया था। शिकागो की सर्व धर्म महासभा को जिस पोशाक (चोगा और पगड़ी) में दण्डायमान होकर सम्बोधित किया, वह खेतड़ी नरेश की ही देन थी। अमेरिका में हिन्दू धर्म तथा वेदान्त के प्रचार में स्वामीजी की अपूर्व सफलता पर राजाजी को बड़ा गर्व और आनन्द हुआ, जिसके लिए उन्होंने खेतड़ी में 4 मार्च 1895 को विशेष दरबार करके स्वामीजी को अभिनन्दन पत्र भेजा। स्वामीजी 1897 ई. में जब भारत लौटे, खेतड़ी पधारने पर राजा साहब ने अपनी ओर से 12 दिसम्बर 1897 के दिन पन्ना–तालाब पर प्रीतिभोज देकर तथा खेतड़ी को रौशनी से जगमगाकर उनका भव्य स्वागत किया और अपनी श्रद्धाभक्ति प्रकट की। स्वामीजी के कार्य की सफलता में राजाजी की भी उल्लेखनीय भूमिका थी। स्वामीजी का खेतड़ी में दीर्घकालीन प्रवास राजाजी के प्रति उनके प्रगाढ़ प्रेम को प्रदर्शित करता है। स्वामीजी 21 दिसम्बर को खेतड़ी से जयपुर रवाना हुए।

अपने देश और धर्म पर प्राण न्यौछावर करने वाले सत्यव्रती राजस्थानी वीरों तथा विरांगनाओं के प्रति स्वामी जी को विशेष गौरव–गर्व तथा प्रेम था। स्वामीजी ने अपने पत्रों में राजस्थान की बार–बार प्रशंसा की और वे राजस्थान में जनता के कल्याण के लिए कार्यरत रहने के लिए अपने गुरू–भाईयों को बराबर प्रोत्साहित करते रहे। उनके गुरू–भाई स्वामी अखण्डानन्द जी 1895 ई. में खेतड़ी आकर रहे और यहाँ शिक्षा प्रचार इत्यादि कार्यों का सूत्रपात किया।

इस प्रकार खेतड़ी स्वामीजी की तीन यात्राओं में पवित्रीकृत एक तीर्थ स्थान है जहाँ स्वामीजी के जीवन की कई महत्वपूर्ण घटनायें घटीं और जहाँ मिशन के सेवा कार्य का सर्व–प्रथम सूत्रपात हुआ।

रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द स्मृति मन्दिर
खेतड़ी–333503 जिला झुन्झुनूं (राज.)
दूरभाष : (01593) 234312 215675
E-mail : rkmkhetri@gmail.com
Web site:www.rkmissionkhetri.org

# पंजीकरण फार्म

सेवा में
सचिव
रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द स्मृति मन्दिर, खेतड़ी –333503 (राजस्थान)

महाराज,

कृपया एक प्रतिभागी के रूप में मुझे भक्त–सम्मेलन में भाग लेने की अनुमति प्रदान करें।

हस्ताक्षर

---

नाम .....

.

पुरुष/महिला, आयु ....., कोई विशेष आवश्यकता .....

पता .....

.

.....

.

ई–मेल (यदि हो).....

टेलीफोन नं. – कोड ....., नं. ....., मोबाइल .....

उस रामकृष्ण मिशन या प्राइवेट सेंटर का नाम व स्थान, जिससे जुड़े हुए हैं .....

.....

.

कृपया सही (√) निशान लगायें : निवासी प्रतिनिधि (कार्यक्रम के दौरान आश्रम में रात्रिवास करने के इच्छुक) / अनिवासी प्रतिनिधि (जो आश्रम में रात्रिवास न कर केवल कार्यक्रम में सम्मिलित होना चाहते हैं)

<u>निवासी प्रतिनिधियों के लिए</u> : 6 मार्च प्रातः 9 बजे से 8 मार्च प्रातः 9 बजे तक आश्रम में ठहरने की व्यवस्था होगी। आश्रम की ओर से भोजन, चाय तथा नाश्ता उपलब्ध कराया जायेगा। भोजन आदि के व्यय को पूरा करने के लिए <u>हर प्रतिनिधि से न्यूनतम 250/– रुपये का योगदान अपेक्षित है।</u>

पहुँचने की तारीख ..... समय .....
जाने की तारीख ..... समय .....

<u>अनिवासी प्रतिनिधियों के लिए</u> : 7 मार्च को सुबह 8 बजे तक आश्रम में पहुँच जाना होगा। भोजन आदि के खर्च को पूरा करने के लिए <u>हर अनिवासी प्रतिनिधि से न्यूनतम 50/– रुपये का योगदान अपेक्षित है। अनिवासी प्रतिनिधियों के लिए 6 मार्च, 2010 शनिवार (अपराह्न) का कार्यक्रम ऐच्छिक है।</u>

नोट :– 1. आवश्यकतानुसार इस फार्म की प्रतिलिपियाँ बनवायें और भरकर डाक द्वारा भेजें। इसे 22 फरवरी के पूर्व हमें प्राप्त हो जाना चाहिए।
2. कार्यक्रम का विवरण 15 फरवरी के बाद से आश्रम की वेबसाईट पर उपलब्ध होगा।